

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय  
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

**"एजुकेशन को एक टूल की तरह इस्तेमाल करें, सिर्फ अपनी सफलता के लिए नहीं, बल्कि देश में बदलाव के लिए"; यह जानकर खुशी हुई कि जामिया ने अपने करिकुलम को NEP-2020 के साथ अलाइन कर लिया है: जामिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल के एनुअल फंक्शन में- डॉ. सुकांत मजूमदार**

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 2026,

कल जामिया मिल्लिया इस्लामिया (JMI) के डॉ. एम.ए. अंसारी ऑडिटोरियम में हुए जामिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल के वार्षिक कार्यक्रम के मौके पर, माननीय केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार ने एक वीडियो मैसेज में यूनिवर्सिटी और स्कूल प्रशासन को NEP-2020 को पूरी तरह से अपनाने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा, "मुझे यह जानकर खुशी हो रही है कि जामिया ने वैल्यू-बेस्ड एजुकेशन, इंडियन नॉलेज सिस्टम, स्किल डेवलपमेंट, डिजिटल लिटरेसी, साइटिफिक टेम्पर, इनोवेशन, AI अवेयरनेस और एंटरप्रेन्योरशिप को इंटीग्रेट करके अपने करिकुलम को NEP-2020 के साथ अलाइन किया है, जिससे स्टूडेंट्स भारत को विकसित भारत 2047 के विज़न की ओर ले जाने के लिए तैयार हो रहे हैं।"

स्टूडेंट्स को अपने टीचर्स और पैरेंट्स का सम्मान करने की अपील करते हुए, डॉ. मजूमदार ने कहा, "प्रिय छात्रों, सफलता सिर्फ मार्क्स या रैंक से नहीं बल्कि कैरेक्टर, इंटीग्रिटी, रेजिलिएंस और समाज की सेवा करने की आपकी इच्छा से देखी जाती है। बड़े सपने देखें, कड़ी मेहनत करें, अपने टीचर्स और पैरेंट्स का सम्मान करें, और शिक्षा को सिर्फ पर्सनल सफलता के लिए ही नहीं, बल्कि देश में बदलाव लाने के लिए एक टूल की तरह इस्तेमाल करें। पैरेंट्स और टीचर्स युवा प्रतिभाओं को नर्चर करने में अहम भूमिका निभाते हैं, और बच्चों के होलिस्टिक ग्रोथ के लिए उनकी पार्टनरशिप ज़रूरी है। मैं अगली पीढ़ी को बनाने में उनके डेडिकेशन और पक्के सपोर्ट को मानता हूँ।"

देश के विकास और तरक्की के लिए आने वाली पीढ़ियों को ट्रेनिंग देने की अहमियत पर ध्यान देते हुए, डॉ. मजूमदार ने कहा, "जैसे-जैसे भारत विकसित भारत 2047 के विज़न के साथ आगे बढ़ रहा है, आज के स्टूडेंट्स कल के लीडर, इनोवेटर और ज़िम्मेदार नागरिक होंगे। नेशनल एजुकेशन रिफॉर्म्स के ज़रिए मज़बूत नींव रखी जा रही है, मुझे पूरा भरोसा है कि हमारे युवा स्टूडेंट्स इस ज़िम्मेदारी को ज़रूर निभाएंगे।"

"माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में, स्कूली शिक्षा को देश के विकास के केंद्र में रखा गया है। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 ने कॉम्पिटेन्सी-बेस्ड लर्निंग, एक्सपीरिएंशियल पेडागॉजी, मल्टीलिंग्विज़्म और होलिस्टिक ग्रोथ के ज़रिए शिक्षा को नए सिरे से सोचा है। समग्र शिक्षा, NIPUN भारत, PM SHRI स्कूल, दीक्षा, PM ई-विद्या और विद्या समीक्षा केंद्र जैसी पहलें इंफ्रास्ट्रक्चर को मज़बूत कर रही हैं, सीखने के नतीजों में सुधार कर रही हैं, टीचर्स को सशक्त बना रही हैं, और शिक्षा को इनक्लूसिव, जॉयफुल और भविष्य के लिए तैयार बनाने के लिए टेक्नोलॉजी का फ़ायदा उठा रही हैं।" माननीय केंद्रीय मंत्री डॉ. मजूमदार जी ने कहा।

पवित्र कुरान की एक आयत के पाठ और जामिया तराना के गायन के बाद, स्कूल के प्रिंसिपल, डॉ. मोहम्मद अरशद खान ने एनुअल रिपोर्ट 2025-26 पेश की और स्वागत संबोधन दिया। उन्होंने स्कूल की एकेडमिक एक्टिविटीज़ और पिछले वर्ष की शैक्षणिक उपलब्धियों की एक छोटी रिपोर्ट पेश की, जिसमें NSS एक्टिविटीज़ में हिस्सा लेना भी शामिल था, जिसका उद्घाटन पिछले साल जेएमआई के वाइस चांसलर प्रो. मज़हर आसिफ़ ने स्कूल स्टूडेंट्स के लिए किया था।

रंग-बिरंगी सांस्कृतिक प्रस्तुति, जिनमें कव्वाली और बंगाली डांस परफॉर्मेंस खास थे, उनके बाद एक पुरस्कार वितरण कार्यक्रम हुआ जिसमें अलग-अलग कैटेगरी में टॉपर्स को एकेडमिक और नॉन-एकेडमिक अवॉर्ड दिए गए।

इस मौके पर विशिष्ट अतिथि, जेएमआई के रजिस्ट्रार, प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिज़वी ने केंद्रीय मंत्री श्री मजूमदार जी का मैसेज दोहराया और जेएमआई को लगातार सपोर्ट देने के लिए उनका बहुत शुक्रिया अदा किया। प्रो. रिज़वी ने उन सभी स्टूडेंट्स को शुभकामनाएं दीं जो आने वाले स्कूल बोर्ड्स में शामिल होंगे। उन्होंने स्कूल के टीचर्स और स्टाफ की भी तारीफ की कि उन्होंने एक मजबूत फाउंडेशन दिया है जिससे स्टूडेंट्स की काबिलियत को निखारने में मदद मिली है।

उनकी कामयाबियों के बारे में बताते हुए, प्रो. रिज़वी ने कहा कि पढ़ाई के अलग-अलग स्टीम में बेहतरीन प्रदर्शन करके और नेशनल लेवल के कॉम्पिटिटिव एग्जाम में टॉप रैंक हासिल करके, जामिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल के स्टूडेंट्स ने अपने जूनियर्स के लिए एक बेंचमार्क सेट किया है। उन्होंने भरोसा जताया कि जामिया स्कूल दिल्ली के सबसे अच्छे स्कूलों से मुकाबला करने के लिए अच्छी स्थिति में हैं और इस बात पर जोर दिया कि उन्हें "जल्द ही एकेडमिक एक्सीलेंस और को-करिकुलर एक्टिविटीज़ दोनों में नए स्टैंडर्ड सेट करके रोल मॉडल के तौर पर उभरना चाहिए"।

जेएमआई के वाइस चांसलर, प्रो. मज़हर आसिफ़ ने अपने प्रेसिडेंशियल भाषण में बुल्लेशाह की एक खूबसूरत कविता सुनाई, और माननीय मंत्री जी के वीडियो में कहे गए कीमती शब्दों के लिए उनका शुक्रिया अदा किया। यह कहते हुए कि सबसे अच्छा अभी आना बाकी है, उन्होंने स्कूल को शानदार परफॉर्मेंस के लिए बधाई दी। प्रो. आसिफ़ ने कहा कि जामिया स्कूल अपने करिकुलम को NEP 2020 के साथ सफलतापूर्वक अलाइन करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं, यह एक ऐसा कदम है जो सीखने के शुरुआती सालों से ही स्किल-बेस्ड और वैल्यू-बेस्ड एजुकेशन के इंटीग्रेशन को मजबूत करेगा। उन्होंने आगे कहा कि जामिया एडमिनिस्ट्रेशन अपने स्कूलों के लिए नेशनल और इंटरनेशनल पहचान दिलाने के लिए एक्टिव रूप से काम कर रहा है, और कहा कि मिनिस्ट्री ऑफ़ एजुकेशन के अधिकारियों के साथ बातचीत पहले से ही चल रही है। स्टूडेंट की भलाई पर जोर देते हुए, प्रो. आसिफ़ ने कहा कि "प्रशासन का फोकस सेफ और सिक्थोर स्कूल माहौल बनाने पर है, जहां युवा प्रतिभाओं को उनकी पूरी क्षमता का एहसास कराने के लिए नर्चर किया जा सके।"

इस मौके पर जामिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल की सालाना मैगज़ीन, पयाम-ए-तालीम 2026 भी रिलीज़ की गई। यह ध्यान देने वाली बात है कि यह मैगज़ीन जेएमआई के परीक्षा नियंत्रक, प्रो. एहतेशामुल हक के निर्देशन में जेएमआई के जामिया प्रेस द्वारा प्रिंट की गई है।

इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिकारी, परीक्षा नियंत्रक, चीफ प्रॉक्टर, प्रो. असद मलिक और उनकी टीम, स्टूडेंट्स वेलफेयर की डीन, प्रो. नीलोफर अफजल, फैकल्टी के डीन, डिपार्टमेंट के हेड, सेंटर के डायरेक्टर, जेएमआई के बॉयज और गर्ल्स हॉस्टल के प्रोवोस्ट, सभी जामिया स्कूलों के प्रिंसिपल, स्कूल शिक्षक, संकाय सदस्य, यूनिवर्सिटी स्टाफ और बड़ी संख्या में स्कूल के छात्र शामिल हुए।

फंक्शन का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

प्रो. साइमा सईद  
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी